**Today’s Poem – 24.09.2014**

**आबू है सबसे बड़ा तीर्थ यह राज़ सभी को सुनाओ**

**यहाँ भगवान ने आकर सबकी सद्गति की यह बात सबको बताओ**

**यहाँ बाप आकर राजयोग सीखाते**

**जिससे हम जीवनमुक्ति पाते**

**यह बात मनुष्य समझ लें तो आबू की महिमा हो जाए**

**और यहाँ भीड़ लग जाए**

**देही- अभिमानी बनने का पूरा-पूरा पुरूषार्थ करना**

**सेन्सीबुल बनना**

**ज्ञान सुनकर उसे स्वरूप में लाना है, याद का जौहर धारण कर फिर सेवा करनी**

**सबको आबू महान् तीर्थ की महिमा सुनानी**

**जो स्वयं को इस देह रूपी मकान में मेहमान समझते**

**वही निर्मोही रह सकते**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****